वचन(ऽ	अकारान्त (रामः) 3) एक द्वि बहु पुल्लिङ्ग् उकारान्त (मुकुन्दुः) स्त्रिलङ्ग् आकारान्त (रमा) रूप नपुसकिलङ्ग् अकारान्त (सरस्वती) उकारान्त (अरस्वती) अकारान्त (फलं)
अव्यय संस्कृत	लट् लकार (= वर्तमान काल) इकारान्त (अङ्गुलिः) लिट् लकार (= अनद्यतन परोक्ष अक्तारान्त (धनुः) लुट् लकार (= अनद्यतन भविष्यत् काल) लट् लकार (= सामान्य भविष्य काल) लेट् लकार (= यह लकार केवल वेद में प्रयोग होता है)
लिङ्ग (3) पु स्त्री नपु पुरुष (3) प्रथम,मध्यम, उत्तम	लोट् लकार (= ये लकार आज्ञा, अनुमति लेना, प्रशंसा करना, प्रार्थना।) लङ् लकार (= अनद्यतन भूत काल) आशीर्लिङ् (= किसी को आशीर्वाद देना) लिङ् लकार विधिलिङ् (= किसी को विधि बतानी हो।) लृङ् लकार (= ऐसा भूत काल जिसका प्रभाव वर्तमान तक हो) लुङ् लकार (= सामान्य भूत काल)